	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय, हिसार फसल सलाह : बेल वाली सब्जियां (मई–जुलाई 2025) कीट : फल मक्खी	'A+' Grade NAEAB – ICAR Accredited

बेल वाली सब्जियां जैसे करेला, खीरा, ककड़ी, तोरी, टिंडा, तरबूज, खरबूजा, लोकी, कद्दू आदि को अनेक प्रकार के कीट हानि पहुंचाते हैं । जिनमें से फल मक्खी सबसे प्रमुख कीट है।

पहचानः

वयस्क फल मक्खी भूरे या पीले–भूरे रंग की होती है। जिसके पारदर्शी पंख होते हैं जिन पर काले धब्बे होते हैं। मादा मक्खी में एक अंडनिक्षेपक होता है जिसका उपयोग फलों में अंडे देने के लिए किया जाता है। मादा मक्खी फलों के छिलके के नीचे समूह में अंडे देती है।

नुकसानः

फल मक्खी का प्रकोप मार्च से अक्तूबर तक ज्यादा पाया जाता है। मादा फल मक्खी कोमल फलों के गूद्दे में अण्डे देती हैं जिससे फल की सतह पर छोटे–छोटे निशान रह जाते हैं । ये निशान कवक व जीवाणुओं द्वारा द्वितीय संक्रमण का कारण बनते हैं । अंडों से मेगट्स (सुण्डी) निकलकर फल के गूद्दे को खाते हैं जिससे फल खराब हो जाते हैं। फिर ये सुण्डियां फलों से बाहर निकलकर मिट्टी के अंदर जाकर प्यूपा बना देती है । उनमें से व्यस्क मक्खी निकलकर फिर से फल के अंदर अंडे देती है । मक्खियों द्वारा हमला किए गए फल विकृत हो जाते हैं और जल्दी पक जाते हैं ।

रोकथाम

- वयस्क मक्खियों को बाहर निकलने से रोकने के लिए क्षतिग्रस्त फलों को नियमित रूप से इकट्ठा करें और उन्हें गहरे गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दें या रासायनिक कीटनाशक मिले पानी में भिगो दें ।
- वयस्क मक्खियों को पकड़ने के लिए पीले चिपचिपे ट्रैप (येलो स्टीकी ट्रैप) 6–8 प्रति एकड़ के हिसाब से लगाएं ।
- 8–10 मीटर की दूरी पर मक्का की कतारें लगाएं क्योंकि मक्खियों को ऐसे लंबे पौधों पर आराम करने की आदत होती है।उन पर 20 लीटर पानी में 20 मि.ली. मैलाथियान 50 ईसी और 200 ग्राम गुड़ चीनी युक्त स्प्रे का छिड़काव करें।
- क्यूलूर का फेरोमोन ट्रैप 12–16 प्रति एकड़ के हिसाब से लगाएं और बरसात के मौसम की फसल के लिए जून के चौथे सप्ताह के दौरान उपयोग करें।
- नीम के पत्तों को पानी में पीसकर घोल बनाकर उसका पौधों पर छिड़काव करें । जिससे फल मक्खियां दूर भागती हैं।
- संक्रमण को कम करने के लिए बुवाई का समय समायोजित करे क्योंकि मक्खी की जनसंख्या बरसात के मौसम में चरम पर होती है और गर्म दिनों में कम होती है।
- आवश्यकतानुसार 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 200–250 लीटर पानी तथा 1.25 किलोग्राम गुड़/सीरा में मिलाकर 10 दिन के अन्तर पर प्रति एकड़ छिड़कें।

नोट : सिफारिश किए गए कीटनाशक उचित मात्रा में ही डालें क्योंकि बेल वाली सब्जियां कीटनाशकों की अधिक मात्रा से जल सकती हैं।

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें :
9468192822, 8930930874

कीट विज्ञान विभाग
अनुसंधान निदेशालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय, हिसार

लौकी में फल मक्खी का प्रकोप

फल मक्खी से ग्रसित खीरा

करेले के फल में मक्खी का शिशु (मेगट)

फल मक्खी से ग्रसित करेले

फल मक्खी से ग्रसित खरबूजा

फल मक्खी से ग्रसित तरबूज